BIHAR FOUNDATION
BONDING • BRANDING • BUSINESS

बिहार सरकार
उद्योग विभाग

+91 0612 2547371
+91 85442 99526
https:// biharfoundation. bihar.govt.in

सम्प्रति बिहार

बिहार फाउन्डेशन की प्रस्तुति

बिहार के महत्वपूर्ण अखबारों में छपे **सकारात्मक** समाचारों का संकलन

आषाढ़ कृष्ण पक्ष अमावस्या मंगलवार विक्रम संवत् 2079 | 28 जून 2022

JKDESIGN 8369994118

6TH FLOOR, INDIRA BHAWAN, RCS PATH, PATNA-800001. BIHAR, INDIA.

उपलब्धि : एमएसएमई में बिहार को मिला दूसरा स्थान

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। बिहार को एमएसएमई सेक्टर में देश में दूसरा स्थान मिला है। 30 जून को दिल्ली के विज्ञान भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार को सम्मानित करेंगे। यह जानकारी उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन ने दी। उन्होंने बताया कि राज्य और संघ शासित प्रदेशों में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) सेक्टर के प्रोत्साहन और विकास के लिए किये गये कार्यों की कैटेगरी में बिहार को नेशनल एमएसएमई अवॉर्ड मिला है। ओडिशा के बाद बिहार को दूसरा और हरियाणा को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। उद्योग मंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि औद्योगिकीकरण की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहे बिहार के लिए यह बहुत बड़ा प्रोत्साहन है। बिहार के औद्योगिकीकरण का पूरा दारोमदार एमएसएमई सेक्टर पर है। बिहार में पिछले डेढ़ साल में करीब 36 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव आए हैं। इनमें से अधिकतर एमएसएमई सेक्टर में हैं। इस अवधि में सूबे में छोटे-बड़े उद्योगों की स्थापना और उद्योगों के विकास के लिए कई कदम उठाए गए हैं। इस क्रम में मुख्यमंत्री उद्यम योजनाओं के लिए 16 हजार लाभार्थियों का चयन किया गया, जिन्हें 10-10 लाख रुपये दिए गए। वर्ष 2018 में यह योजना सिर्फ एससी-एसटी के लिए थी। लेकिन, इसकी सफलता के कारण 2021-22 में इसे विस्तार दिया गया और इसमें पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग, सामान्य वर्ग, युवा व महिलाओं को भी इसमें शामिल किया गया।

30 जून को दिल्ली में पीएम मोदी करेंगे बिहार को सम्मानित

- बिहार के औद्योगिकीकरण का पूरा दारोमदार एमएसएमई सेक्टर पर
- पहली जुलाई को कोलकाता में होने वाले निवेशक मीट में बिहार हिस्सा लेगा

राज्य में निवेश के लिए विदेशों से भी आ रहे प्रस्ताव : शाहनवाज

शाहनवाज हुसैन ने बताया इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से पहली जुलाई को कोलकाता में आयोजित निवेशक मीट में बिहार हिस्सा लेगा। इसमें बिहार के बारे में बताया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार की औद्योगिक पॉलिसी की विदेशों में चर्चा हो रही है और वहां से भी लोग निवेश की इच्छा व्यक्त कर रहे हैं। वे बिहार की पॉलिसी के बारे में और जानना चाहते हैं। इसके लिए हमें आमंत्रित कर रहे हैं।

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 28.06.2022 | पृष्ठ सं० 01

मोतीपुर फूड पार्क में खाद्य तेल का प्लांट लगाए जाने की संभावना

मुजफ्फरपुर मेगा फूड पार्क में बड़ा निवेश कर सकता है अडानी समूह

मुजफ्फरपुर, कार्यालय संवाददाता

अडानी विल्मर कंपनी मुजफ्फरपुर में बड़ा निवेश कर सकती है। कंपनी की टीम सोमवार को मोतीपुर फूड पार्क और बेला औद्योगिक क्षेत्र पहुंची। कंपनी के अधिकारियों ने दोनों स्थानों का जायजा लिया व सुविधाओं की जानकारी जुटाई। कंपनी यहां खाद्य तेल का प्लांट लगा सकती है।

कंपनी की तीन सदस्यीय टीम ने बियाडा के अधिकारियों से दोनों स्थानों पर भूतल जलस्तर, बिजली की उपलब्ध्यता, आसपास के प्रमुख बाजार, एनएच, एसएच व रेलवे माल गोदाम आदि इंफ्रास्ट्रक्चर की जानकारी ली। उन्होंने बाढ़ व जलजमाव के बारे में भी जानकारी हासिल की। अधिकारियों के जवाब पर अडानी समूह के अधिकारियों ने संतोष जताया। टीम पहले बेला औद्योगिक क्षेत्र के फेज टू स्थित आईडीपीएल परिसर पहुंची। उसने यहां प्लांट के लिए 40 एकड़ जमीन की जरूरत बताई। करीब डेढ़ घंटे तक अधिकारियों ने आईडीपीएल परिसर का जायजा लिया। इसके बाद टीम मोतीपुर स्थित मेगा फूड पार्क पहुंची। सबने फूड पार्क पर प्रस्तावित अन्य प्लांटों के बारे में जानकारी ली।

बियाडा के अधिकारियों ने बताया कि 143 एकड़ जमीन पर मेगा फूड पार्क खुलना है। यहां हल्दीराम व आईटीसी आदि बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा जमीन आवंटन के लिए प्रस्ताव दिया गया है। यहां बाढ़ व जलजमाव की समस्या नहीं होने से कंपनियां रुचि ले रही हैं। यह चंपारण व तिरहुत के मध्य का क्षेत्र है। यहां से उत्तर प्रदेश व नेपाल सीमा तक फोरलेन सड़क जाती है। मौके पर अडानी विल्मर कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी दवेंद्र सिंह के अलावा प्लांट कंसलटेंट व बियाडा के सहायक विकास अधिकारी अजय कृष्ण सिन्हा व क्षेत्रीय प्रभारी मो. राशीद आदि उपस्थित थे।

- कंपनी की टीम ने मोतीपुर व बेला का लिया जायजा देखी सुविधाएं
- 143 एकड़ जमीन पर मेगा फूड पार्क खुलना है मुजफ्फरपुर जिले में

02 हजार लोगों को मिल सकता है रोजगार

" अडानी विल्मर कंपनी की ओर से जिले के दो औद्योगिक क्षेत्रों में बड़ा निवेश किए जाने की संभावना है। इसके लिए कंपनी की टीम ने दोनों औद्योगिक क्षेत्रों का जायजा लिया है। निरीक्षण बेहद संतोषजनक रहा है। बियाडा की ओर से कपनी को जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराया जाएगा।

–रवि रंजन प्रसाद,
कार्यकारी निदेशक, बियाडा

कंपनी के इंजीनियरों की टीम जल्द करेगी निरीक्षण

अडानी विल्मर कंपनी की इंजीनियरों की टीम जल्द ही जिले के दोनों औद्योगिक क्षेत्र का दौरा करेगी। यह टीम दोनों जगहों पर प्लांट लगाने के लिए संभवनाओं को देखेगी। कंपनी की टीम के पहले निरीक्षण से उत्साहित बियाडा के अधिकारियों ने दूसरे निरीक्षण के लिए तैयारी शुरू कर दी है।

बिहार में अडानी समूह का पहला प्लांट होगा: फूड प्रोसेसिंग में देश की अग्रणी कंपनियों में शुमार अडानी विल्मर की बिहार में पहली इकाई मुजफ्फरपुर में खुलने की उम्मीद जगी है। फिलहाल कंपनी की गुजरात व हरियाणा समेत करीब आधा दर्जन राज्यों में फूड प्रोसेसिंग की इकाईयां चल रही हैं। मुजफ्फरपुर में बनने वाला खाद्य तेल पश्चिम बंगाल, उत्तरप्रदेश व झारखंड आदि राज्यों तक भेजा जा सकेगा।

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 28.06.2022 | पृष्ठ सं० 9

बिहार के विभिन्न क्षेत्रों में बदल जाएगी शोध की दशा और दिशा

आईआईटी पटना दो माह में सुपर कंप्यूटर से होगा लैस

हि एक्सक्लूसिव

■ चंदन द्विवेदी

- इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेजों की तकनीकी क्षमता बढ़ेगी
- शिक्षा, चिकित्सा, मौसम पूर्वानुमान में व्यापक उपयोग की संभावनाएं

पटना। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान पटना कैंपस अगले दो महीने में देश के अबतक के सबसे अपडेट सुपर कंप्यूटर से लैस हो जाएगा। संस्थान में इसे इंस्टॉल करने की व्यापक स्तर पर तैयारी चल रही है।

हाल ही में सीडैक की स्थानीय टीम ने संस्थान परिसर का निरीक्षण किया था। अब जल्द ही केंद्रीय टीम स्थान के चयन और इसे इंस्टॉल करने की प्रक्रिया को मूर्त रूप देने आएगी। देश के नौ संस्थानों में नेशनल सुपर कंप्यूटिंग मिशन के तहत इस सुपर कंप्यूटर को इंस्टॉल किया जा रहा है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इन नौ संस्थानों में आईआईटी पटना का भी चयन किया है।

आईआईटी पटना के निदेशक प्रो. टीएन सिंह ने बताया कि यह सुपर कंप्यूटर पलक झपकते ही एक लाख करोड़ से अधिक गणनाएं करने में समर्थ है। इससे शोध की गुणवत्ता, उसकी समयावधि और व्यापकता में बहुत बड़ा बदलाव आएगा। बिहार में शिक्षा, चिकित्सा, मौसम पूर्वानुमान, जलवायु परिवर्तन का अध्ययन, शोध और अध्ययन के क्षेत्र में इसके व्यापक उपयोग की संभावनाएं हैं। रिसर्च और अनुसंधान में भी बड़ा परिवर्तन आएगा। खगोल, भौतिकी, आणविक विज्ञान जैसे अनुसंधान उद्देश्यों में भी इसका उपयोग होगा। इंजीनियरिंग और डिजाइन में इसकी बड़ी भूमिका होगी। एमएसएमई और स्टार्टअप में सुपर कंप्यूटर नई जान फूंकेगा। इंजीनियरिंग व पॉलिटेक्निक कॉलेजों को भी लाभ होगा। इनकी तकनीकी क्षमता बढ़ेगी।

पहले चरण में 10 संस्थानों में लगा चुके सुपर कंप्यूटर

निदेशक ने बताया कि आईआईटी पटना सुपर कंप्यूटर लगने से अधिक से अधिक कॉलेजों, शोध संस्थानों को इससे जोड़ेगा। पहले फेज में देश के दस प्रीमियम संस्थानों में सुपर कंप्यूटर लगाये जा चुके हैं। फेज टू में यह जिम्मेदारी सीडैक पुणे और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस बेंगलुरू को दी गई है।

3.3 पेटाफ्लॉप की गति से करता है काम

हाल में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस बेंगलुरू में सबसे शक्तिशाली सुपर कंप्यूटर 'परम प्रवेग' को लगाया गया है। इस सुपर कंप्यूटर की स्पीड 3.3 पेटाफ्लॉप होगी। एक पेटाफ्लॉप प्रति सेकेंड 10 के 15 गुणक से प्राप्त प्रतिफल के ऑपरेशन के बराबर होता है। यह पलक झपकते असंख्य गणनाएं करने में समर्थ होता है।

सौजन्य से हिन्दुस्तान । पटना । 28.06.2022 । पृष्ठ सं० 03

शहर वासियों की काफी भीड़ को देखते हुए पर्यटन विभाग को भेजा जाएगा प्रस्ताव

जेपी गंगा पथ के मुहाने पर ही बनेगा पटना का पहला वाटर स्पोर्ट्स सेंटर

सिटी रिपोर्टर | पटना

जेपी गंगा पथ के मुहाने पर पटना का पहला वाटर स्पोर्ट्स सेंटर बनेगा। इसके लिए सरकार के अलाधिकारियों ने मंथन शुरू कर दिया है। डीएम डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि जेपी पथ के मुहाने स्थित जनार्दन घाट पर लोगों की काफी संख्या में भीड़ एकत्रित हो रही है। गंगा तट पर सुर्यास्त काफी आनंददायक है। यहां शहर वासियों की काफी संख्या में आने वाली भीड़ को ध्यान में रखकर पर्यटन विभाग को जल्द वाटर स्पोर्ट्स बनाने का प्रस्ताव भेजा जाएगा। यह इलाका वाटर एडवेंचर्स स्पोर्ट्स सेंटर के रूप में विकसित होने के बाद शहर के लोगों को मोटर बोट, क्याक, टायराइड, जेट स्की स्कूटर आदि वाटर स्पोर्टर्स एक्टविटी करने को मिलेगी। इसके साथ ही भविष्य में पैरासेलिंग वोट की सुविधा का आनंद राजधानी वासियों के साथ देश-विदेश से आने वाले पर्यटक ले सकेंगे।

- अधिकारियों के मुताबिक पैरासेलिंग एडवेंचर एक्टिविटी में स्पीड में चलती नाव से बंधे पैराशूट के सहारे व्यक्ति आकाश में उड़ता है। एक व्यक्ति को एक वोट के पीछे से खींचा जाता है।

- वाटर स्कीइंग में रस्सी को एक छोर को स्की और दूसरे छोर को स्पीड बोट में बांधा जाता है। जब बोट दौड़ती है तो व्यक्ति पानी में रस्सी को पकड़ कर संतुलन बनाने की कोशिश करता है।

गंगा पथ से जुड़ेगा सभ्यता द्वार, बनेगी पार्किंग

जेपी गंगा पथ को सभ्यता द्वार से जोड़ा जाएगा। गाड़ियों की पार्किंग के लिए एएन सिन्हा इंस्टीट्यूट से सभ्यता द्वार के बीच मल्टीलेबल पार्किंग बनाने का निर्णय लिया गया है। इसमें गाड़ी खड़ी कर सभ्यता द्वार को देखने के लिए लोग पैदल जाएंगे।

यहां भी घूम सकेंगे

गंगा पथ बनाने में खुद बन गए चार तालाब, इन्हें बनाया जाएगा खूबसूरत

लोकनायक गंगा पथ के निर्माण के दौरान इसके आसपास चार तालाब बन गए हैं। एएन सिन्हा इंस्टीट्यूट के पास रोटरी पर एक, जबकि जेपी सेतु से पश्चिम व रोटरी के बीच तीन तालाब बन गए हैं। इन तालाबों को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए बिहार राज्य पथ विकास निगम ने विशेषज्ञों की राय मांगी है। इंजीनियरों ने कहा कि हमने तालाब बनाया नहीं है। सड़क निर्माण के दौरान तालाब का स्वरूप अपने-आप विकसित हो गया है। इसको खुबसूरत बनाने के लिए विभाग के स्तर मंथन किया जा रहा है।

सौजन्य से दैनिक भास्कर | पटना | 28.06.2022 | पृष्ठ सं० 1

इलेक्ट्रॉनिक्स व कृषि प्रौद्योगिकी में उद्यमिता को लेकर किया जागरूक

जीरो लैब

➲ **सत्रों का फेसबुक पर प्रसारण भी किया गया**

संवाददाता ▷ पटना

जागरूकता सत्र के दौरान मौजूद अतिथि.

जीरो लैब, इनक्यूबेशन सेंटर आइआइटी पटना के सहयोग से बियाडा, गांधी मैदान, पटना में अपने परिसर में दो जागरूकता सत्र आयोजित किये हैं. जीरो लैब उद्योग विभाग, बिहार सरकार की एक पहल है. जीरो लैब का उद्देश्य राज्य में नवोन्मेषकों और उद्यमियों को जागरूकता सत्र, मास्टर क्लास, बूट कैंप, आइपी सुविधा, नेटवर्किंग इवेंट और इसी तरह की पहल के साथ सुविधा प्रदान करना है. इलेक्ट्रॉनिक्स पर सत्र का नेतृत्व बिहार की एक सफल इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण कंपनी झा इंस्ट्रूमेंट्स के संस्थापक पीयूष कुमार झा ने किया. उन्होंने पिछले 6 वर्षों से एक शोधकर्ता, उत्पाद डेवलपर और औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स सलाहकार हैं और उन्होंने प्रकाश, मोटर वाहन, कृषि, स्वचालन और सौर क्षेत्रों में 100 से अधिक उत्पादों को डिजाइन किया है. कृषि और खाद्य प्रौद्योगिकी पर सत्र का नेतृत्व रितेश कुमार ने किया, जो एक पुरस्कार विजेता खाद्य प्रौद्योगिकीविद् और जिला संसाधन व्यक्ति, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय हैं, जिन्हें खाद्य प्रौद्योगिकी और कृषि क्षेत्र में 11 वर्षों का अनुभव है. जो लोग व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हो सकते थे, उनके लिए सत्रों का फेसबुक पर सीधा प्रसारण भी किया गया.

29 जून को बूट कैंप का आयोजन : इन जागरूकता सत्रों की अनुवर्ती कार्रवाई के रूप में, जीरो लैब 29 जून 2022 को एक दिवसीय बूट कैंप का आयोजन कर रहा है. बूट कैंप व्यवसाय योजना पर विस्तृत जानकारी प्रदान करेगा. डॉ एस राजेश्वरन, प्रोफेसर, डीएमआइ पटना इनक्यूबेशन सेंटर आइआइटी पटना टीम के साथ सत्र का नेतृत्व करेंगे. सत्र सभी इच्छुक उद्यमियों के लिए खुला है, पंजीकरण और सीटों की उपलब्धता के अधीन. जीरो लैब द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होना सभी इच्छुक उद्यमियों के लिए काफी फायदेमंद होगा. प्रशिक्षण कार्यक्रम जीरो लैब यूट्यूब चैनल में उपलब्ध कराये जा रहे हैं.

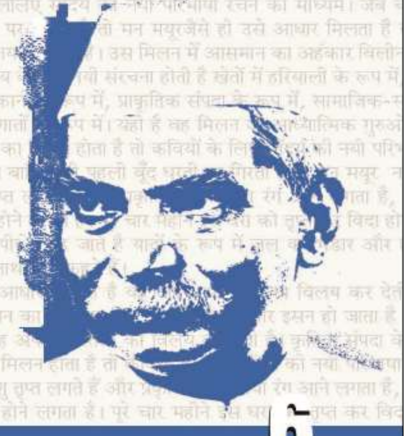

सौजन्य से प्रभात खबर | पटना | 28.06.2022 | पृष्ठ सं० 4

बिहार कोविड अपडेट

⇒ कुल सक्रिय मामलों की संख्या	774
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान नए पॉज़िटिव मामलों की संख्या	133
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान स्वस्थ हुए मरीजों की संख्या	52
⇒ कुल वैक्सीनेशन	13,60,15,859
⇒ कम से कम एक डोस	7,12,10,085
⇒ पूर्ण वैक्सीनेटेड	6,16,36,786

बिहार फाउन्डेशन नेटवर्क

विदेश अवस्थित चैप्टर

कतर	दक्षिण कोरिया
जापान	हॉग कॉग
यू.ए.ई.	सिंगापुर
बहरीन	न्यूजीलैंड
कनाडा	यू.एस.ए.
ऑस्ट्रेलिया	सऊदी अरब

देश अवस्थित चैप्टर

मुम्बई	हैदराबाद	पुणे
चेन्नई	नागपुर	गुजरात
कोलकाता	वाराणसी	गोवा

पाठकों से अपील

बिहार फाउन्डेशन के जुड़ने के लिए

बिहार फाउंडेशन उद्योग विभाग के अन्तर्गत राज्य सरकार की एक निबंधित सोसाईटी है जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य के बाहर बसे देश-विदेश अवस्थित बिहारी समुदायों को उनके स्वयं के बीच तथा गृह राज्य के साथ जोड़ने का है। वर्तमान मे बिहार फाउंडेशन के कुल 21 चैप्टर्स हैं. बिहार फाउंडेशन से जुड़ने के लिए नीचे दिए वेबसाइट पर जाकर Non Resident Bihari Registration पर क्लिक करें और उपलब्ध फार्म को भरकर जमा करें -

https://biharfoundation.bihar.gov.in.